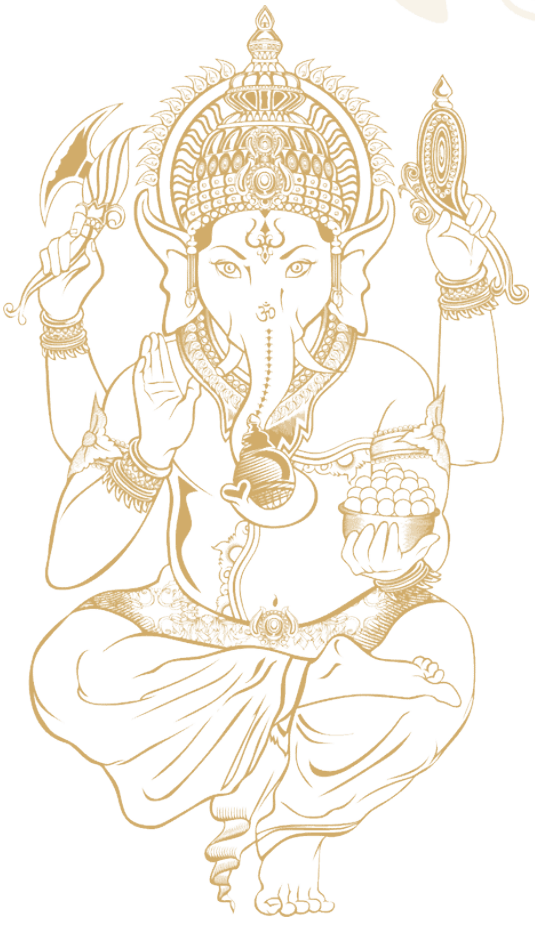

Netik

Princi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121362902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/10/2005	जन्म तिथि	26/07/2005
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	11:00:00 घंटे
घटी 02:37:40	जन्म समय(घटी)	13:22:58 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Agra
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
78:00:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:55	सूर्योदय	05:38:48
17:36:16	सूर्यास्त	19:09:46
23:56:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 10मा 27दि	25:37:41	तुला	लग्न	कन्या	18:59:22	शनि 1वर्ष 7मा 27दि
राहु	12:48:35	तुला	सूर्य	कर्क	09:24:03	केतु
27/09/2023	07:58:59	कन्या	चंद्र	मीन	15:30:10	23/03/2024
26/09/2041	23:58:59	मेष व	मंगल	मेष	04:53:48	24/03/2031
राहु 09/06/2026	05:43:05	वृश्चि	बुध व	कर्क	26:08:08	केतु 19/08/2024
गुरु 01/11/2028	06:55:32	तुला	गुरु	कन्या	18:35:01	शुक्र 19/10/2025
शनि 08/09/2031	29:44:24	वृश्चि	शुक्र	सिंह	09:53:56	सूर्य 24/02/2026
बुध 28/03/2034	16:52:19	कर्क	शनि	कर्क	07:19:11	चन्द्र 25/09/2026
केतु 15/04/2035	19:38:55	मीन	राहु व	मीन	22:38:45	मंगल 21/02/2027
शुक्र 15/04/2038	19:38:55	कन्या	केतु व	कन्या	22:38:45	राहु 11/03/2028
सूर्य 10/03/2039	13:01:32	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	16:11:21	गुरु 15/02/2029
चन्द्र 08/09/2040	20:52:57	मक	नेप व	मक	22:37:54	शनि 26/03/2030
मंगल 26/09/2041	28:44:52	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	28:15:17	बुध 24/03/2031

लग्न-चलित

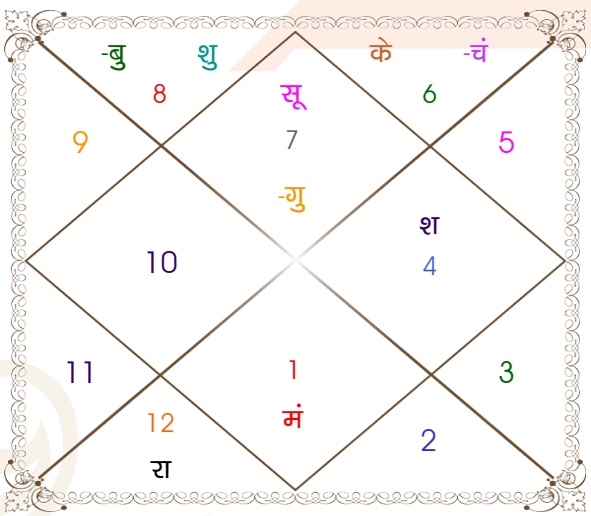

लग्न-चलित

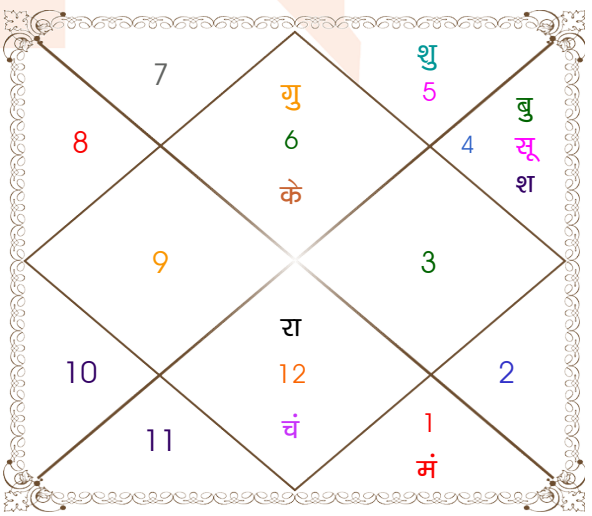

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गौ	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

छमजपा का वर्ग मूषक है तथा Princi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छमजपा और Princi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छमजपा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल छमजपा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल छमजपा कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि छमजपा कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Princi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Princi कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Princi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छमजपा कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छमजपा तथा Princi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।